# उठो, हिम्मत करो!

नमस्ते मैं हूँ पुलकित माथुर स्पिरिचुअलबी डॉट कॉम की संस्थापक और ये मेरा दूसरा हिंदी पॉडकास्ट है। इन सभी पोडकास्टों को आप अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर सकते हैं। अपनी मॉर्निंग वाक, या फिर ऑफिस या कॉलेज जाते समय अथवा अन्य किसी फ्री टाइम में, वेदांत के इन साहस भर देने वाले विचारों को आप आसानी से सुन सकते हैं। इन विचारों को अपने परिजनों की साथ शेयर भी कर सकते हैं। इस पॉडकास्ट को डाउनलोड करने के लिए इस यूट्यूब वीडियो के नीचे मौजूद लिंक पर क्लिक करें।

तो चलिए शुरू करते हैं इस ऑडियो ब्रॉडकास्ट को, जिसमें हम वेदांत के उन प्रेरणाशील विचारों को सुनेंगे, जिन्हें युगऋषि श्रीराम शर्मा आचार्य ने अपनी पत्रिका अखण्ड ज्योति में, फरवरी १९४० के एक लेख में प्रकाशित किया था। इन विचारों के पीछे प्रेरणा थी युगऋषि की, परन्तु इन्हें लिखा था श्री स्वामी सत्यदेव जी ने। तो आइये सुनते है इन विचारों को।

उठो, हिम्मत करो! अपने रास्ते में पड़ी हुई रुकावटें देखकर घबरा मत जाओ। स्मरण रखो, रुकावटें और कठिनाइयाँ आपकी हित चिन्तक हैं। वे आपकी शक्तियों का ठीक-ठीक उपयोग सिखाने के लिए हैं, वे मार्ग के कंटक हटाने के लिए हैं। वे आपके जीवन को आनंद मय बनाने के लिए हैं। जिन के रास्ते में रुकावटें नहीं पड़ीं वे जीवन का आनंद ही नहीं जानते। उनको जिन्दगी का स्वाद ही नहीं आया। जीवन का रस उन्होंने ही चखा है, जिनके रास्ते में बड़ी-बड़ी कठिनाइयाँ पड़ी हैं। वे ही महान आत्मा कहलाए हैं। सच्चा जीवन उन्होंने ही जिया है।

नेपोलियन जब इटली जीतने के लिए एपल्स के दुर्गम पर्वतों को पार करने गया तो उसके आगे चलने वाले सेनानायकों ने मार्ग को असंभव बतलाया। उस महा पराक्रमी नेपोलियन ने हँसते हुए कहा "असंभव शब्द मेरे कोष में ही नहीं है।" इन्हीं पराक्रमी कथनों के अनुसार नेपोलियन ने अपना रास्ता तैयार किया और उसी मार्ग से अपनी बड़ी सेना और तोपों के साथ इटली पर आक्रमण कर दिया। यह है साहसी लोगों का मार्ग। भीरु और कायर बाधाएँ देखकर मैदान छोड़ जाते हैं। अतएव इस संसार में सिपाही बन कर बाधाओं का मुकाबला कीजिए और कभी भी हिम्मत न हारिये।

इसलिए उठिये! उदासीनता और निराशा त्यागिये! मुसीबतों का खिले चेहरे से सामना कीजिये। अपने ऊपर दृष्टि डालिये। प्रभु ने आपको इस संसार में निरर्थक नहीं भेजा। उन्होंने जो श्रम आपके ऊपर किया है, उसको सार्थक करना आपका काम है। ईश्वर ने यह जीवन काम करने के लिए दिया है। इस जीवन का कोई खास उद्देश्य है। उस उद्देश्य को जानिए। अपनी शक्तियों की पड़ताल कीजिये और उनका ठीक-ठीक उपयोग करना सीखिये।

"आत्मा सब से बलवान है" इस सच्चाई पर दृढ़ विश्वास रखिये। इस विश्वास द्वारा आप सभी कठिनाइयों पर विजय पा सकते हैं। कोई कायरता आपके सामने ठहर नहीं सकती। आत्मा पर विश्वास करने से आपके बल की वृद्धि होगी और आन्तरिक शक्तियों का विकास होगा। बीज जब अपने आप को बलिदान करने का साहस करता है, तभी एक वृक्ष का उद्भव हो पाता है। फल और फूल बीज के इस बलिदान की सार्थकता को सिद्ध करते हैं।

अतएव कठोपनिषद के उन वाक्यों का स्मरण कीजिये जिन्हें स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन का नारा बनाया था – Arise! Awake! And stop not till the goal is reached! उठिये! जागिये! हिम्मत कीजिये! और जब तक लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाता रुकिए मत!

तो ये थे युगऋषि श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा प्रेरित साहस भर देने वाले विचार। भारत में वेदांत के गौरव को फिर से लौटने के लिए इस पॉडकास्ट को अपने परिजनों के साथ जरूर शेयर करें। अगले ब्रॉडकास्ट में फिर मुलाकात होगी, तब तक के लिए नमस्कार।